THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO.

MBB—1971— 283-157

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

IASWR

MICROFILM PROJECT MBB - 11

MBB-1973-283
1. Film strip number

75
2. Source

GURUAJÑĀ
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. + 880 = A.D.
5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPALI PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

DEVANĀGARĪ
8. Script

16 cm. x 8 cm.
9. Size

8
10. Lines to a page

20
11. Number of leaves in complete work

12. Missing leaves

13. Author and Date of composition (if given)

14. Number of Chapters

15. Remarks Tantric magical practices

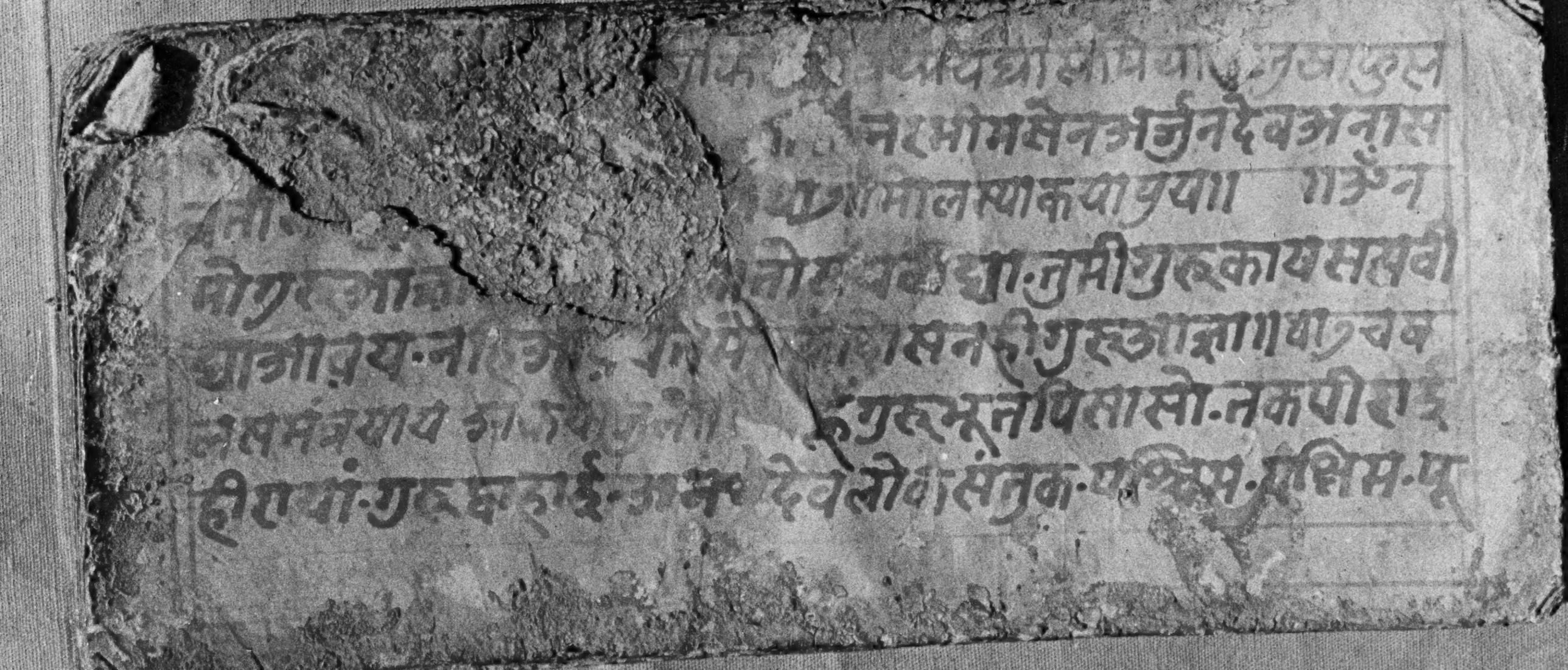

ॐ उन्मत्तभैरवकाआज्ञा॥धातुष्टिसमंत्रयायघालस
यियाय्लुवाफुरुसनयेश्व॥ता॥ ॥ॐआद्याशक्तिश्रीव
द्युति·कालिका·शाम्बिकाअंबिकायुगा·चामुण्डा·महालक्ष्मीत्रि
पुरांतिका·सप्तमी·सिद्धियोगिश्वरीब्राह्मी·माहेश्वरी
मयीछिन्नाम·[illegible]·चौंसठकोटकानिनीलोचनाजेदेवेच
[illegible]कोटकोरसकंमहोवकेआज्ञा॥तिनिप्रथ्वसिद्धि

॥नयवेलसजाज्जलपे केसंजाय त्रेसभवंतज्ञ ॥अधोर
घोरघत्रकथोकाविधी प्रवतकालियाचगेभऐ आज्ञाजी
वकीज्वलन्धीयापारवेया इश्वरमहादेवआज्ञामतिनिप्रश्न
सिद्धि॥बोलासलंबजोप्रणवमीने॥ ॥पिहकरे जाउसा
कापित कारकटंखार काहादिपरकाजापिहरिसिहीगुरुपा
जानेगाव्यालियायवेलसलयजयलमावहिथीनीने॥ ॥

ॐसिद्धिबुद्धआत्मा बलिमंत्रनुमेएदवनभावेपाखवधका
रिकाग्रमिश्रपिंडएनआदिगुरुआदिनाथधर्तिमाताध
निधिताजीवरक्षामहेश्वरीधाधरलंबजावतोनेा ॥
ॐनिसिहचक्रकारक्षननायंमंजाहूंनत्रासनहूँफट्दत्वा
हाधा जैनजावतोनके मेथंनमेघपाकयामंत्रेा ॥
नसपनिधारफत्वाधाधरलोहेचालानस्तनयाएके

वाय.वोकसिद्धविद्येवेलस्वा ॥ ॐ जुम्भेमोहेहृदयेमावंत
निहूंफट्स्वाहा॥अ७ स्वालासियमंत्र॥ ॥ॐ नमोश्रीग
हओला॥विस२धाविहूंफट्स्वाहा॥अ७ जाकिजयलयं.
तिनाथेय.ब्रसिवालवृथाहाविद्या॥ ॥ॐ श्रीगुरुआ
ज्ञाहृदयक्षगुरुतरवर.गुरु.ईश्वर.पार्वति.कपालसछुत.व
सफलमंत्रईश्वरवाचाअंत्रपरलपारस्वाननविजेश्वरि

पात्रानसद्गुपात्रछुनके·वश्यजूर्ह्रं॥ ॥ॐनमोसिद्धिगुरू
आज्ञा॥धिधिरुकसंधिधिभोपि·कसजवालेखछपाकयाश्च
मंत्रनचिकंजपलपाय·देवाच्यायविजेश्वरियाके·सकलेंव
स्यसुधा ॥महनीफरयंतेर·महनीनकेजिवं॥ ॥ॐगुरू
आज्ञाधरनीमारय·आकासमारय·पानमारय·पानिमारय·
सिधीराजमारय·ऐरीमारय·गुरुयमारय·मेरीभक्ति·फुरू
मंत्रईश्वरवाचा·गुरुकोआज्ञाफुरो॥थमत्रपरलये छुपांग

यमदू. गाजमकेलसनयमाला ॥ सिद्धिगुरुआज्ञा॥ पश्चिम
वएहिदक्षिनवाएहि. पूर्वेवाएही. उत्तरवाएहिआज्ञा. पश्चिमक
मारिदक्षिनकुमारि. पूर्वेकुमारि. उत्तरकुमारि. वच. पश्चिमभैर
वदक्षिनभैरव. पूर्वभैरव. उत्तभैरव. ऊंकारवक्षनाथाआज्ञा
सिद्धिगुरुआज्ञा. सिद्धिगणेश्याआज्ञा. क्रोएंगुरुआज्ञा. व
त्रजोगिनियाआज्ञा. गुरुश्वरियाआज्ञा. ऊँफट्स्वाहा॥ ॥

ॐ अमनयाग यावत खपचिननुयावतय वगलिलिवचाकाया
वत्यानपुयावनया मेवतामसुयाकगलगेमजु ॥ मसुयाकतव
गुजसा लबजयलयावतोनके हसलाय लाया ॥ ॐयक
सिनि ववसिनि आकासचारिनीहनसनी वज्रयोगिनीहसनि
ठलायणी दलेकोल्यीमालेजोगीगसायी हूँफट्स्वाहा ॥ धाय
अमत्रनजाकिजगवलजयलयावछुयछुताकै मेवनेमसुयाय

मफ़ूनजल-नेवयांलगेमफ़ ॥ॐनमोगुरुआज्ञाकीदरीदे
बोहूंफ़ट्टेवाचाघरनांधार१नाकिजयलयाफ़लंघनहोले.वोकसिव
न्धनजयु-विसेवनेमफ़ ॥ॐरं वंधरकंमस्त्रासरक्षं
किनींरह्रींहूंफ़ट्स्वाहा॥धार१वोकसियालगथिछियविसेव
नेफ़यमफ़ा ॥ॐचलरचलगघरस्वाहा॥छ॥छ॥छ॥
॥ ॥सकेनेधमंत्रनवोकसिविसेवनि ॥ॐगोदेगरुफ़ीं
कातारेयातुंनेनाएसिंचरेघरगरेछचरेलायरेसिंचानिलानवि

झावडी कि नी कुमारी सरस्वती कुमारी गलि आकास चारिणि
ॐ फट् स्वाहा ॥ सचपली कि वाचा विद्या वाचा मा हरे धंकि
वाचा पारवति कि वाचा ईस्वरि कि वाचा ब्राह्मी सारे स्वरस्व
नाथ मम शिव नाथ ॐ फट् स्वाहा ॥ ॥

ॐ नमो वेला ग्रमावलि श्री ब्रज्री जो गीनी जौहाल मनिना
रतनै सहिष्टै श्री पूरै मसानन मरै नान स्नान जंजंवन
जोगि कहु स्वाहा सिमिलि मीजा ॥

ॐ आगच्छागच्छ चामुण्डे स्वाहा॥ जप १०००० जप १००॥

ॐ नमो युक्तप्रदेस॥ ॐ कालिकी वश्यरि भैरूं किनेल षयरमे
षाय मसान मैलोने श्रेंसागीरी भैरूं वावा कि पुजा तमेने दिया
वति कांला भैरूं दी यावति भई सा षेल दोहाई हनुमान विरमे
हुहू नरसिंघ किनर सिंघ किनली हनमान किवेला पु
तप्रेत दीकली लांजिनी किवेसि चोर अंनख वाला भैरूं कि वा
लिकाली कपालि भैरूं रूद्र भैरूं किवावा हूं ठः ठः स्वाहा॥

कंडर्जसि करद्रर्जगर्भ दसडुरर्गाडु दीकिनीगाडु सीकिनिगाडु
दलगर्भ दोरगर्भ भूमद्रेतकिसाचगाडु गर्भ देविदरदेसाल
गर्भ सरीमसानगर्भ दीशीमीरद्रकिवाचा॥

ॐ नमो गुरुभ्यः गुरुपादुकाभ्यो नमः परम गुरुभ्यो नमः परमेष्ठि गुरुभ्यो नमः
सर्व गुरुभ्यो नमः श्री गुरु चरण कमलेभ्यो नमः ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं
नमः परम गुरु शिवा गुरु वाचा ॐ वज्र कट साधय देवी वार
मम गृह्य गृह्य शिवा गुरु वाचा ॐ वज्र कट साधय देवी वार
मम ईप्सितं देहि देहि स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं नमः परम गुरु
भ्यो नमः परम गुरु भ्यो यात्रा विद्या ॐ ह्रीं गृह्य गृह्य
ह्रीं विद्या गुरु वाचा ॐ वज्र कट दक्षिण मार्ग पर आरूढ़ मे
शिवो कर्ण मात्र ज्ञान ज्योति स्वरूप चतुर्भुज मे रिद्धि
देहि मे रिद्धि साधय ह्रीं गृह्य गृह्य विद्या गुरु वाचा ॐ वज्र कट

चारदिसाधारैपढि फलानकी ओबालाकोहं मारिजिवय
नामकोविजलमारबाकोहृदैमिवोकलीभतउतरमम
कंमोरिमंतुजाचातचाबारहजुतमेरिगुरुमेरिमाय
नाहदहकूपिकोकतलेबोरबाकोहरईबोरसत्याहैन
गुरुमानगुरुविद्याफुरवाफुँवाफुँफट्॥

ॐ ह्रीं स्वाहाजप१००० ॥ ईडायवागर्थनेःजत्रजप१००० ॥

ॐ नमो सिवाय ॐ नम श्री गणेशाय नमो श्री बलाय नि
नमो श्री वर्ज जोगी नी सकल देव नमो सूकर सैसत सिधी
गुरवे नमो ॐ अर चोरेवर चोरहन चोचोरेच चोर यलीप
भैरवाय हहहीं फट् स्वाहा ॥ घाल १००० मसान सजप
सकल मित्र सिद्धि ॥

ॐ भिछ भिछ भिछरे जोला मूषि बोसं थ येनु सा सिद्ध जया घाल
२१ माला जप कुके माला सोधन ॥

ॐ ॐ ॐ विरभंजमया मालमाला सिंधुभोगिय२ ठुंठुं
फट्आहा॥ माला जपमंत्र को॥ ॐ ॐ ॐ विर वीजमंत्र
सिद्धि सिद्ध२ देहीदेही ठुं ठुं फट्स्वाहा॥ धाल१०००००
जप॥ ॥ ॐ ॐ ॐ विर वीजअमुक ग्राम
मंत्र२ सिद्ध२ ग्रामवश्य२ ठुंहूं फट्स्वाहा॥ जप१०००
॥ ॐ ॐ ॐ विर वीज अमुकवश्य२ सिद्ध२ वश
य२ हूं फट्स्वाहा॥ जप१०००॥ ॥ ॐ ॐ ॐ विरधो

ज अमृतकमोहय२सिद्ध२ओहयर हूंहूं फट् स्वाहा॥जय
१००००॥
ॐॐॐविर चोज महामरणसिद्ध२ मारय२हूंहूं फट् स्वा
हा॥जय१००००॥
ॐॐॐविर चोज अमृत विदेषय२सिद्ध२ विदेषय२हूंहूं
फट् स्वाहा॥१००००जम॥
ॐॐॐविर चोज अमृत उचातय२सिद्ध२ उचातय२हूंहूं
फट् स्वाहा॥१००००जम॥

ॐ ह्रूँ ह्रूँ विर चोज अमूक तीभय र सिघ्र र अभय र फट्
फट् स्वाहा १०००० ॥
ॐ ह्रूँ ह्रूँ विर चोज परमेश्वर अमृत हर र सिघ्र र गच्छ
र फट्ँ फट् स्वाहा ॥ १०००० ॥ नारायण
ॐ ह्रूँ ह्रूँ विर चोज अमूक रोग नाश र सिघ्र र फट्ँ फट्
स्वाहा ॥ १०००० ॥
ॐ ह्रूँ ह्रूँ विर चोज मया सर्व कर्म सिद्धी सिघ्र र देही र

हूँ हूँ फट् स्वाहा ॥ जप १०००० ॥

ॐ ॐ ॐ विरोजमसरदासवज्रजनकस्यादिस्तीर्थनकुरु

रु सिद्धरबंधरुरु हूँ फट् स्वाहा ॥ जप १०००० ॥

ॐ ॐ ॐ विरोजथमूकस्यसवलोचनायसिद्धरु

मोचयरु हूँ हूँ फट् स्वाहा ॥ १०००० जप ॥

ॐ ॐ ॐ विरभुजमयारक्षरक्षसिद्धरमाहारक्षाहूँ हूँ फ

ट स्वाहा ॥ फल ॥

ॐ ॐ ॐ विरबीज मम वर कम्पलेश्वराशय २ सिघ्र २ भस्म
पकुर २ हूं हूं फट् स्वाहा॥ धाले १००० जप॥
ॐ ॐ ॐ विरबीज मम पाप सिरसूल नाशय २ सिघ्रं २ नासय
हूं हूं फट् स्वाहा॥ धाल २१॥
ॐ ॐ ॐ विरबीज मम यमनवैर २ सिघ्र २ बन्धय हूं हूं फट्
स्वाहा॥१०८॥
ॐ ॐ ॐ विरबीज मम सूलंलोहदोष नाशय २ सिघ्रं २ नाशय
हूं हूं फट् स्वाहा। धाल २१॥

ॐ ॐ ॐ विर वीज मम यामन आधि नाशय सिघ्र२ भस्म य२ हूँ
हूँ फट् स्वाहा ॥ बोल १००० ॥
ॐ ॐ ॐ विर वीज उल्लतादि सर्व रोग नाशय सिघ्र२ नाश
य२ हूँ हूँ फट् स्वाहा ॥ बोल १००० ॥

ॐ ह्रीं ॐ विरचोजमज्वरादि रोगभालयसिद्धि २ नासय २ हूं
फट् स्वाहा॥१०८॥
ॐ ह्रीं ॐ विरचोजमयाक्षिस्रावनोरनाशयासिद्धि २ नासय २ हूं
हूं फट् स्वाहा॥१०८॥
ॐ ह्रीं ॐ विरचोजमयाकुष्ठादि रोगनाशयसिद्धि २ नासय २
हूं हूं फट् स्वाहा॥जाप १०००॥
ॐ ह्रीं ॐ विरचोजमयाभगंदरिगादि नाशयसिद्धि २ नासय २ हूं हूं
फट् स्वाहा॥१०८॥

ॐ ॐ ॐ विरोधय ग्रहकं सन्तानजनिय २ सिद्धे जनिय हूँ
हूँ फट् स्वाहा ॥१०००॥

ॐ ॐ ॐ विरोधय सर्वसन्तानबंध २ सिद्ध २ बंधय हूँ हूँ फट्
स्वाहा ॥१०८॥

ॐ ॐ ॐ विरोधय मणिधर कन्याद्दी सर्वकर्मविरोधनाय सिद्ध
विरोधय २ हूँ हूँ फट् स्वाहा ॥१०००॥

ॐ ॐ ॐ विरोधय सीकिनी डाकिनी बंध २ सिद्ध २ बंधय २
हूँ हूँ फट् स्वाहा ॥२१॥

ॐ ॐ ॐ विर चोज सोकिनी दोकिनी मंत्र उद्धर्तय मुख जिह्व
किलय २ सिद्धि २ किलय २ हूं हूं फट् स्वाहा ॥ जप १००० ॥
ॐ ॐ ॐ विर चोज सांकिनी दाकिनी कस्य देहं ग्रस ग्रस मम शत्रून् उच्चाटय
सिद्धि २ दाहय २ हूं हूं फट् स्वाहा ॥ १००० ॥
ॐ ॐ ॐ विर चोज सोकिनी दाकिनी चलगछ २ सिद्धि २ गछ
हूं हूं फट् स्वाहा ॥ घाल २१ ॥
ॐ ॐ ॐ विर चोज मया सोकिनी दोकिनी मुंजिनी घेतीनी तं भ
य २ सिद्धि २ तीभय हूं हूं फट् स्वाहा ॥ २१ ॥

ॐ ॐ ॐ विरचोत्तमया ग्रातम रक्षा कुरु २ सिद्धि २ महाग्रातम
नय नासय २ हूँ हूँ फट् स्वाहा ॥१०८॥

ॐ ॐ ॐ विरचोत्तमया सर्वकर्म भूत भविष्य सिद्धि [redacted] देहि
सिद्धि २ देही २ हूँ हूँ फट् स्वाहा ॥१०००० जप॥

ॐ ॐ ॐ विरचोत्तमया ग्रहभूत प्रेत [redacted] ल छाम सीकिनी दी
किनी हानय २ नाशय २ सिद्धि २ भस्मय २ हूँ हूँ फट् स्वाहा
॥१००॥

ॐ नमो हनुमान विरनमो ॐ हनुमान विधाय धरणीधराय
षड्रसाहत सकल लोक नारि वाचं मुख वाचं मस्तिष्क
दृष्टि नो वाचं सर्व किना वाचं भूत वाचं प्रेत वाचं कुल वाचं
छोचा वाचं वाय प्रसेवाचं कुति स्रोग वाचं नबग्रह मगा
वाचं मुह सकलि मेरी भगनि कुलमंत्र ईस्वर किवा वा सार २
हूँ गरुड़ स्वाहा॥ ॥ ॐ कार कुल भैं गरुड़ नमो: धरवतो वि
चैनमो: तठरात्रि गरुड़ वाति: रथकी सक्रमा एम: देवो विरल
मंतते रे मंत्र किमगा कुलवान छे रवान भूतवान प्रेतवान

देवदत्त वईसवान दंकिनीसंकिनीवान एजाप्रजा का
वचनवान वाचं वा उंकहते नवा वेनरसिंघनारायकि ग्राम
महना श्रजानिग्रानमरी मतिगस्कि सगति कुल मंत्र ईस्व
किंवाचा ॥३॥ ॐनारं वमर्दनि हन२ स्तिय ठ स्वाहा ॥१००८
भगवति यामंत्र थोजपेत् जायाय : थम भालेया ग सिद्धीर
ई भगवति याके पायसाल वरा सके शिर : वरा थ मंत्र याउन हा
यंत्र २ सवे ॥ जमनित्य याव १००८ ॥ भगवति साधना ॥ ॥
ॐ श्रंत्रं ह्रीं श्रीं सिद्धि स्त्रकास चारिनी स्वाहा ॥१००८ ॥ थोमंत्र
नजपयाव नसचास सर्व सिद्धि दई ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं

ॐ स्वाहा ॥२१॥ सिद्धजय योगेश्वरी योगमार्गेभ्यो [illegible]

[illegible] ॐ ईद्र वरुण निधाने वरुण
[illegible] विरजाक विजेताक इतिश्रावाने तो विन्दू मोतेनो आलो
नही बोले तो हमारे वैपक्के वो इहा हनुमान विरके ॥१॥

ॐ नमो भिलानरसिंघले के सिनी आज्ञावोक सिनियाया भू
त मा पा प्रेत चायाग सकोप्रावा तोल श्रावा फोतो: जसको

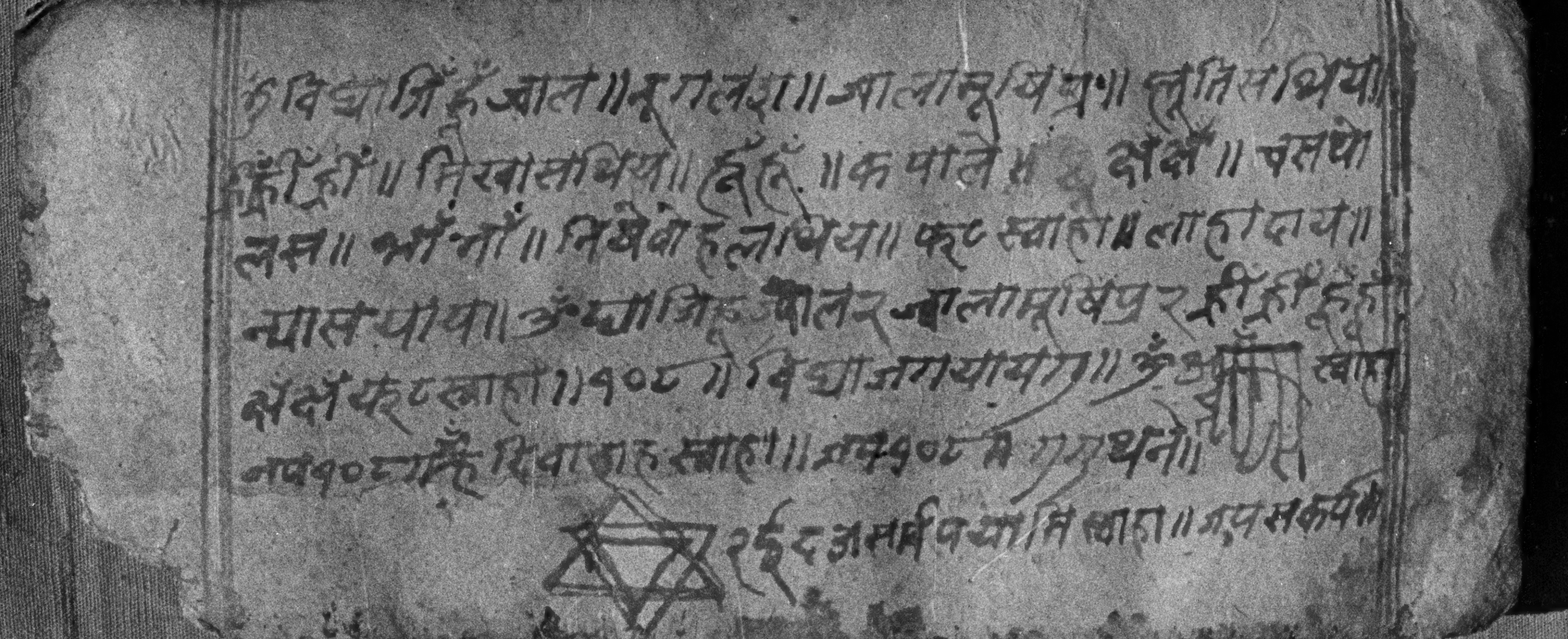

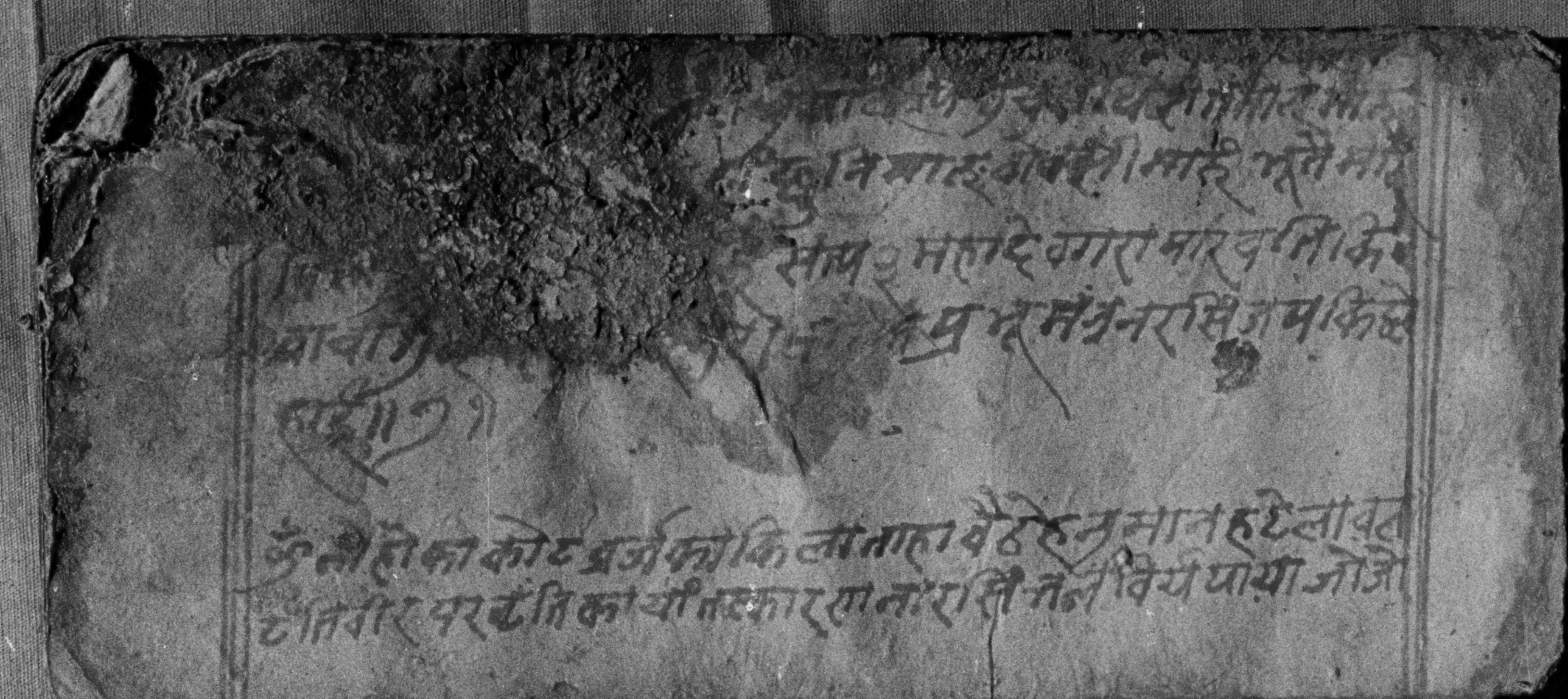

करै सो [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] कि लगत मा

[illegible]ति पैसे सो मीत्र [illegible] [illegible] वाचा ॥ चाल ७ ॥

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] चाले को [illegible] रवा दे [illegible] लत:

[illegible] चा दे सो [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] लिव [illegible] दि ति या लि [illegible] चा पा

[illegible] [illegible] का [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] तेवी [illegible] सा कि वाचा ॥ चाल ७ ॥

[illegible] [illegible] [illegible] प्रवेश [illegible] [illegible] श्री [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] वाडी [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] सर्वत [illegible] कि [illegible] [illegible]

[illegible] ॥ ५ ॥